

श्री जोतराम आरती

ॐ जय जोतराम हरे, देवा जय जोतराम हरे
दीन दुखी का दुखड़ा पल में बाबा दूर करे - 2 ॥ ॐ जय....

परमार्थ करने का मन में दृढ़ निश्चय करे,
भभूता सिद्ध गुरु जी आशा पूरी करे ॥ ॐ जय....

काया त्याग कर निर्देह होकर जन पर उपकार करे
जो ध्यावे फल पावे पूरी मुराद करे ॥ ॐ जय....

कहलाता कलयुग का देवता बाँझो की गोद भरे
देता भभूती की पुड़िया विपदा दूर करे ॥ ॐ जय....

साचो का है संगती पूर्ण काज करे
कपटी जन से हरदम रहता परे ॥ ॐ जय....

सेवा पूजा जोतराम जी की जो नित नेम करे
व्यापे नहीं कोई चिंता पुरे भण्डार भरे ॥ ॐ जय....

जोतराम जी की आरती जो कोई जन करे
कहे जगदीश उसके बिगड़े काम बने ॥

ॐ जय.... ॐ जय जोतराम हरे, देवा जय जोतराम हरे....

